VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M N 26 AUG 2023 No. 3
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2081)

Name of Candidate	Ajit Singh Khadda.		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	864007
Center	MN	Date	26/08/23

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
6(c)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI.**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

Is student recommended for One-to-One mentoring?

Recommended	Strongly Recommended

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

For one-to-one mentoring session on this copy, call us at 7042691891 or send an email to appointment@visionias.in

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

खण्ड A
SECTION A

निम्नलिखित प्रश्नों का अधिकतम 150 शब्दों में उत्तर दीजिए:

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. (a) डेटा संचालित प्रौद्योगिकियों पर अत्यधिक निर्भरता के परिणामस्वरूप डेटा उपनिवेशीकरण और डिजिटल तानाशाही की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इस संदर्भ में उत्पन्न होने वाले विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कीजिए और उपचारात्मक उपायों का सुझाव दीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

Too much dependence on data driven technologies can result in data colonisation and digital dictatorship. Discuss the various issues that may arise in this context and suggest remedial measures. (Answer in 150 words)

10

वर्तमान समय में AI, क्लाउड कम्प्यूटिंग, इंडस्ट्रियल क्रांति के दौर में डेटा को New oil की संज्ञा दी गई है।

डेटा उपनिवेशीकरण

→ विदेशी कंपनियों द्वारा किसी देश के नागरिकों का डेटा फायदे हेतु किसी अन्य पक्ष को बेचना।

ex:- Fb द्वारा केंब्रिज एनालिटिका को डेटा बेचना

डिजिटल तानाशाही → बड़ी MNCs द्वारा डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर कब्जा करना एवं विहत रूप से छोटे अन्य कंपनियों को हटाकर मोनोपॉली स्थापित करना।

e.g. अमेजन, फ्लिपकार्ट द्वारा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

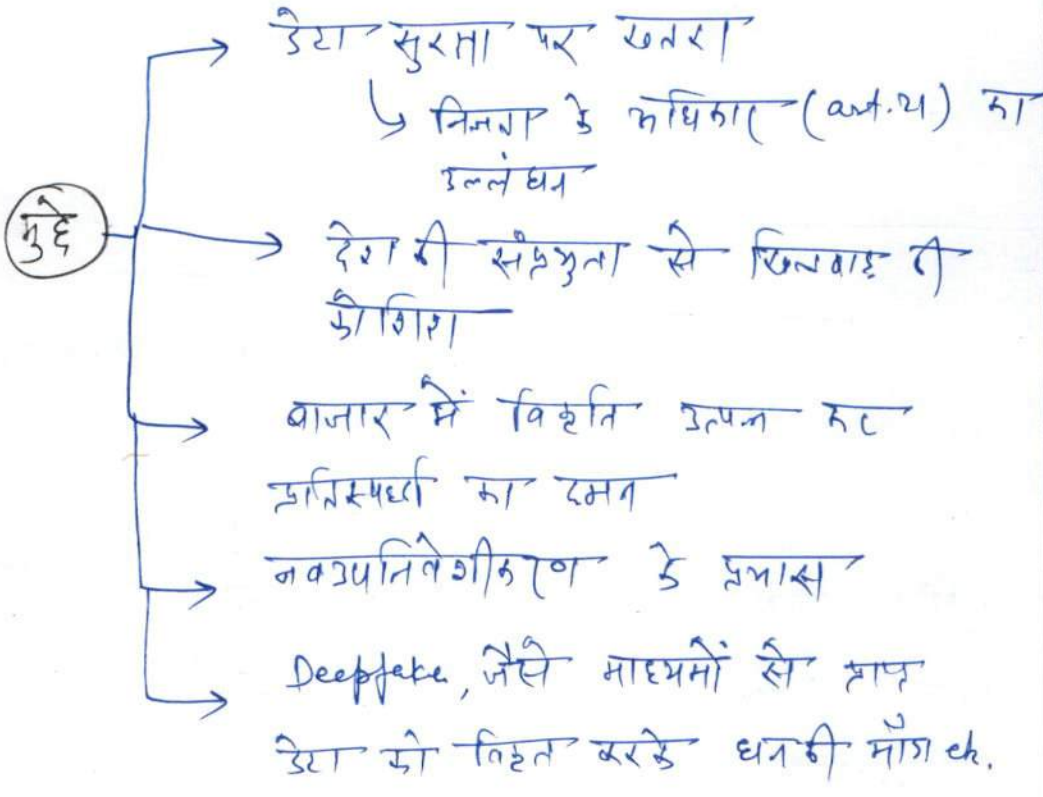

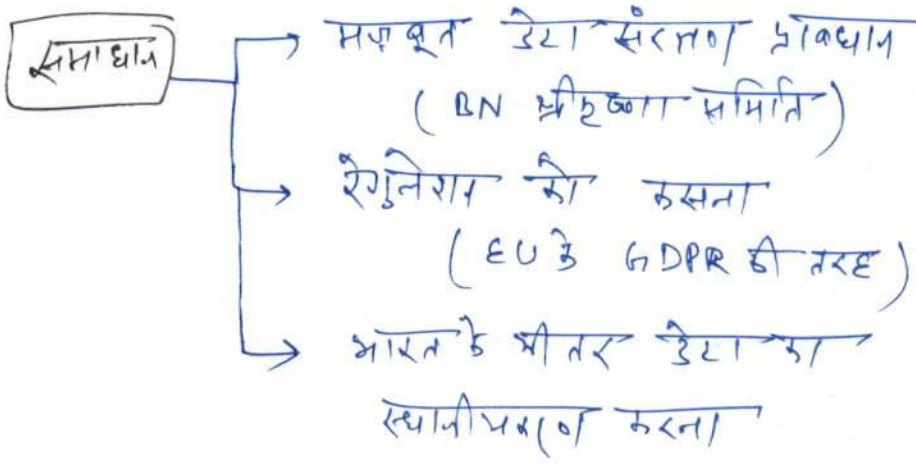

वर्तमान युग में सूचना को सबसे बड़ी संपत्ति माना गया है। इसी के संदर्भ में सरकार डेटा सुरक्षा रेगुलेशन बिल लेकर आई है ताकि डेटा संप्रभुता कायम रहे।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** हालिया सोशल मीडिया के प्रसार के कारण, प्रभाव उत्पन्न करने वाले लोग (समाज में परिवर्तन) के महत्वपूर्ण कारक बन गए हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। इसके अतिरिक्त, इसमें शामिल नैतिक मुद्दों को भी रेखांकित कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

Due to the recent proliferation of social media, influencers have become important agents of change in the society. Discuss with examples. Also, highlight the ethical issues involved. (Answer in 150 words) 10

सोशल मीडिया वर्तमान इंटरनेट के युग में लोगों के जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है। फेसबुक, यूट्यूब, ट्विटर जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म से शायद ही कोई व्यक्ति अप्रभावित हो, इसी कारण यह लोगों को प्रभावित करने की विशाल क्षमता रखता है।

e.g. सोशल मीडिया पर फैली झूठी खबरों से उत्पन्न सांप्रदायिक तनाव एवं दंगे (नूह दंगा)

समाज में परिवर्तन

सकारात्मक
* सामाजिक / कार्यस्थल पर अन्याय को सामने लाना
  ↳ me too #
  times up

नकारात्मक
↳ मोब लिंचिंग एवं हेट स्पीच का प्रसार
↳ सांप्रदायिक सद्भाव।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- ब्लैक लाइव्स मैटर जैसे आंदोलन
- स्वास्थ्य जागरूकता
  - eat right आंदोलन
- व्यवहार परिवर्तन
  - बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान
- आपदा के समय प्रभावी कारक
  - कोरोना संक्रमण रोकथाम में
- रोजगार (youtube)
- भ्रामक एवं झूठी खबरें
  - किसी की मृत्यु
  - खिलाड़ी आंदोलन
- किसी दल, व्यक्ति की नकारात्मक छवि गढ़ना
- प्रोपेगेंडा हमला
- विदेशी ताकतों द्वारा कुप्रभाव
- उपभोगतावादी संस्कृति
- तनाव एवं स्थूलता की संस्कृति

नैतिक मुद्दे

- सोशल मीडिया के रेगुलेशन का अभाव
- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता v/s उल्लंघन की सीमारेखा तय नहीं
- अंधविश्वास, जातिवाद, पूर्वाग्रहों को मजबूत करना
- social media द्वारा चरित्र हनन

2021 में सरकार सोशल मीडिया रेगुलेशन दिशा निर्देश लेकर आई है, साथ ही स्वनियमन को प्रोत्साहित किया जाये।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) पूर्वाग्रह और भेदभाव को जब दूर नहीं किया जाता है तो इनमें संघर्षों को हिंसा में बदलने की क्षमता होती है। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

Prejudice and discrimination when left unaddressed have the potential to turn conflicts into violence. Discuss with examples. (Answer in 150 words)

10

पूर्वाग्रह प्राचीन मान्यताओं एवं अंधविश्वासों को मन में बिठाने एवं किसी व्यक्ति, समाज के प्रति लेबलिंग करने की अवधारणा है। यह व्यक्ति के संज्ञानात्मक स्तर पर मज़बूत पकड़ रखता है जिससे व्यक्ति पूर्ववर्ती धारणा को सत्य मानता रहता है।

जैसे: निम्न जातियों के प्रति मध्यकालीन भारत में तथाकथित उच्च वर्गों की अपवित्रता की धारणा

जब सिद्धांत के स्तर पर पूर्वाग्रह व्यवहार में उतर जाते हैं तो भेदभाव के रूप में अभिव्यक्ति होती है। e.g. जातिभेद की धारणा से SC/ST के खिलाफ छुआछूत की भावना.

संघर्ष एवं हिंसा में बदलाव की क्षमता

↳ अपने स्वार्थ अनुसार अभिवृत्ति निर्माण कर लेने से लैंगिक असमानता,

जातिवाद, LGBTQ के प्रति धारणा बलवती होती है एवं सामाजिक अन्याय का प्रसार होता है।

- हक न मिलने से स्त्री-पुरुष, जातीय झगड़े, नस्लीय झगड़े इत्यादि होते हैं।
  e.g. अमेरिका में ब्लैक लोगों के प्रति
  चीन में उइगरों के प्रति
- इसकी वजह से प्रभावित लोग हाशियों पर धकेल दिए जाते हैं। e.g. जनजातियाँ.

समाधान

- अभिवृत्ति परिवर्तन
  - अतिरिक्त सूचना (सकारात्मक)
  - इंपैथी एवं करुणा
  - भूमिका परिवर्तन द्वारा धारणा परिवर्तन
- कानूनी उपाय
  - SC/ST अत्याचार निवारण कानून - 1989
  - POCSO & POSH Act 2012
- दंड का प्रयोग करके सामाजिक सौहार्द एवं समन्वय पर बल।

पूर्वाग्रह एवं भेदभावों से मुक्त पाकर ही हम एक समान, न्यायपूर्ण एवं सहिष्णु समाज बना सकते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (b) अहिंसा मूलभूत नैतिक सद्गुणों का उच्चतम स्वरूप है। टिप्पणी कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

Non-violence is the highest form of fundamental moral virtue. Comment. (Answer in 150 words) 10

"अहिंसा कायरों का नहीं बल्कि साहसी लोगों का गुण है।"

महात्मा गांधी का यह कथन किसी व्यक्ति के जीवन में अहिंसा के महत्व की महत्ता बताता है। अहिंसा केवल शारीरिक ही नहीं होती बल्कि यह मानसिक स्तर पर भी हो सकती है।

↳ भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अहिंसा एक मूल सद्गुण बना रहा जिससे अहिंसा का महत्व भारतीय समाज में आजादी पश्चात् भी बना रहा। फ्रांस के हिंसक क्रांति के कारण वहाँ हिंसा, विद्रोह का मूल्य आज भी हिंसक गतिविधियों में देखा जा सकता है।

↳ अहिंसा किसी व्यक्ति में सहिष्णुता, धैर्य, साहस जैसे गुण लेकर आती

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

है जो एक सफल एवं आदर्श जीवन का मूल होता है।

जैन धर्म की अहिंसा जहाँ <u>निरपेक्ष अहिंसा</u> पर बल देती है वहीं बौद्ध धर्म <u>मध्यम मार्ग</u> पर बल देता है जो कि एक व्यावहारिक तरीका भी है।

↳ आधुनिक कल्याणकारी राज्यों की नींव तो न्याय, लोकतंत्र, अहिंसा, मिनिमम शासन जैसे मूल्यों पर टिकी है।

↳ एक अहिंसक व्यक्ति प्रत्येक व्यक्ति एवं प्राणी में ईश्वर का वास (ईशावास्यं इदं सर्वम्) देखता है तथा <u>वसुधैव कुटुंबकम्</u> को आदर्श मानता है।

वर्तमान रूस-यूक्रेन युद्ध, इज़राइल-फिलीस्तीन संघर्ष जैसे परिदृश्य में अहिंसा का मूल्य सर्वोत्तम ठहरता है जो मनुष्य को साध्य मानता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(a)** हालांकि, 'मी टू मूवमेंट' ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के संबंध में कुछ असंतोष की ध्वनि पैदा करने में मदद की है, लेकिन यह भारत में कार्य संस्कृति पर स्थायी सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करने में विफल रहा है। क्या आप सहमत हैं? (150 शब्दों में उत्तर दें)

Though the 'Me Too Movement' helped in creating some murmur with respect to sexual harassment of women at workplace, it has failed to create a lasting positive impact on the work culture in India. Do you agree? (Answer in 150 words) 10

परिचय में कार्यस्थल पर महिलाओं के शोषण एवं काम के बदले सेक्सुअल हैरासमेंट के विरोध Me too# अभियान शुरू हुआ जिसका असर भारतीय समाज पर भी पड़ा। इससे सामाजिक ढाँचे के लोग मौन स्वर में चल रहा अन्याय सम्मुख आता है। e.g. फिल्म जगत में खुलासे
राजनीति में ऐसे ही प्रकरण

यौन उत्पीड़न के विरुद्ध आवाज़

→ महिलाओं के शोषण, अत्याचार को एक माध्यम प्रदान किया।

→ इससे कार्य नियोजकों एवं मालिकों के मन में मामला उजागर होने का डर बढ़ा

प्रतिबंधात्मक (Preventie) उपाय

→ कार्यस्थल पर महिलाओं के छेड़छाड़ संबंधी कानून से सामना
→ कानून द्वारा न्याय की परिधि व्यापक
→ महिला सशक्तीकरण, समानता हेतु उत्प्रेरक
e.g. संदीप सिंह के खिलाफ एक महिला खिलाड़ी द्वारा आरोप

कार्य-संस्कृति में बदलाव न ला पाने के कारण

1. अब भी पर्याप्त सबूतों के अभाव के कारण दोषी छूट जाते हैं।
2. काम के छिनने के डर से महिलाएँ नहीं बोलती है।
3. पितृसत्तात्मक समाज में ऐसे मामलों में लड़की की गलती मानना ⇓ डराना।
4. पुरूष प्रधान कार्य संस्कृति में महिलाओं की अनदेखी
5. महिला को डर → करियर, → रोजगार, → सम्मान/अस्मिता
6. झूठे मामले।

मी-टू कैंपेन एक सकारात्मक प्रयास रहा है जिसे प्रोत्साहन देने एवं कानूनों से सामना करने का प्रयास करना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** 2021 भ्रष्टाचार बोध सूचकांक में भारत 180 देशों में 85वें स्थान पर है। इस संदर्भ में, कौटिल्य के अर्थशास्त्र का विशिष्ट उल्लेख करते हुए, भारत में भ्रष्टाचार से निपटने के विभिन्न तरीकों पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

India ranks 85th amongst 180 countries in the Corruption Perception Index of 2021. In this context, discuss the various ways to tackle corruption in India, with special reference to Kautilya's Arthashastra. (Answer in 150 words) 10

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा जारी करप्शन परसेप्शन इंडेक्स-2021 में भारत को 85th स्थान भारत में भ्रष्टाचार की व्यापकता को दर्शाती है। भ्रष्टाचार के कारण सामाजिक, आर्थिक असमानता बढ़ती है।

↳ कौटिल्य ने अपनी पुस्तक अर्थशास्त्र में लिखा है कि "राज्य का प्रशासन कभी भी भ्रष्टाचार मुक्त नहीं हो सकता। रिश्वत लेना उसकी मूल प्रवृत्ति बन चुकी है। हाँ, उसे सायास तरीके से कदम उठाकर कम किया जा सकता है"

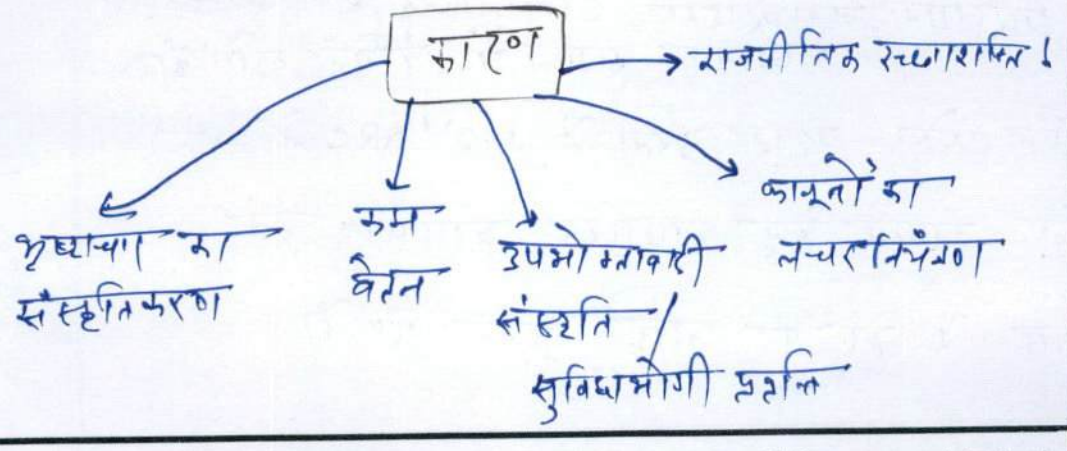

भ्रष्टाचार से निपटना

1. सख्त रूप में Code of conduct एवं Code of ethics का पालन हो।
   - प्रशासक द्वारा पुरस्कार न लेना
   - रिश्वत देने वाले को पकड़ना

2. कानूनों का प्रवर्तन
   - भ्रष्टाचार निरोधक कानून -1988
   - आर्थिक भगोड़ा अधिनियम -2018
   - PMLA - 2002
   - व्हिसलब्लोवर्स एक्ट, 2014

3. संस्थागत फ्रेमवर्क
   - CBI, ED, CVC द्वारा जाँच
   - SFIO द्वारा जाँच

4. • लोकपाल, लोकायुक्त का प्रावधान
   • चुनाव में धनतंत्र पर रोक

5. पारदर्शिता, जवाबदेहिता, Citizen charter, RTI, सेवोत्तम मॉडल

भ्रष्टाचार समाज में वंचित वर्गों की स्थिति को बदतर करता है। 2nd ARC ने भी इससे निपटने हेतु नागरिक, प्रशासन एवं सरकार के स्तर पर व्यापक सुझाव दिए है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (a) एक नैतिक कार्य संस्कृति न केवल संगठन के लिए सकारात्मकत्मक परिणाम उत्पन्न करती है बल्कि कर्मचारियों की प्रगति में भी मदद करती है। चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

An ethical work culture not only drives positive organisational outcomes but also helps employees thrive. Discuss. (Answer in 150 words) 10

नैतिक कार्य संस्कृति से आशय कार्यस्थल पर नैतिक मूल्यों के साथ संचालन। कार्य संस्कृति किसी संगठन में विजन, व्यवहार, मूल्यों का सेट होता है जिससे वह ऑफिस संचालित होता है।

नैतिक कार्य संस्कृति के सकारात्मक परिणाम

(1) कार्य स्थल पर महिलाओं एवं पिछड़ों, दलितों हेतु सकारात्मक माहौल
⇓
समावेशी विकास + सामाजिक न्याय

(2) नैतिक संस्कृति में पारदर्शिता, जवाबदेहिता, उत्तरदायित्व के कारण हितधारकों के साथ शेयरधारकों को भी लाभ

(3) हितधारक पूँजीवाद प्रोत्साहन (Karl श्वाब)

(4) गांधी द्वारा सुझाए गए compassionate capitalism द्वारा कोर्पोरेट गवर्नेंस का संचालन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(5) CSR, सामाजिक जवाबदेही,
सोशल ऑडिट, सिटिजन चार्टर
⇓
फीडबैक आधारित कार्य = संस्कृति

(6) सभी की सुने जाने से कंपनी को फायदा

कर्मचारियों को लाभ

(1) अनावश्यक रूप से काम का बोझ उन पर नहीं लादा जाएगा

(2) समुचित वेतन।

(3) नवाचार एवं आगे बढ़ने के अवसर

(4) संवेदनशीलता, व्यावसायिक नैतिकता की उत्पत्ति

(5) अनावश्यक जवाबदेही का भार कर्मचारियों पर नहीं।

जब कार्य संस्कृति में नैतिकता के मूल्य जुड़ते है तो कॉर्पोरेट गवर्नेंस का विकास होता है जिससे अर्थव्यवस्था, संगठन एवं कर्मचारी सभी लोगों को फायदा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(b)** उन नैतिक सिद्धांतों का उल्लेख कीजिए जिन पर नागरिक चार्टर तैयार किया जाता है। साथ ही, भारत में इसके उद्देश्य और प्रभावशीलता पर भी चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

Bring out the ethical principles on which a Citizen's Charter is formulated. Also, discuss its purpose and effectiveness in India. (Answer in 150 words)

10

नागरिक चार्टर किसी संगठन द्वारा लोगों को उपलब्ध कराये जाने वाला दस्तावेज़ होता है जिसमें उनके द्वारा दिए जाने वाली सेवाओं, समयावधि, गुणवत्ता, सुविधा इत्यादि का उल्लेख रहता है।

नागरिक चार्टर के सिद्धांत

1. उत्तरदायित्व
2. पारदर्शिता
3. सूचना उपलब्धता
4. समावेशिता
5. व्यापक सेवाओं की उपलब्धता

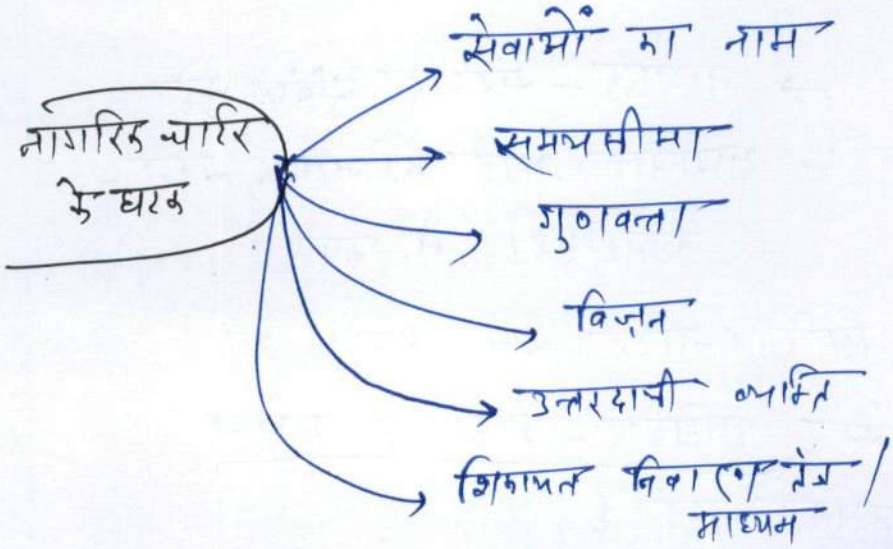

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

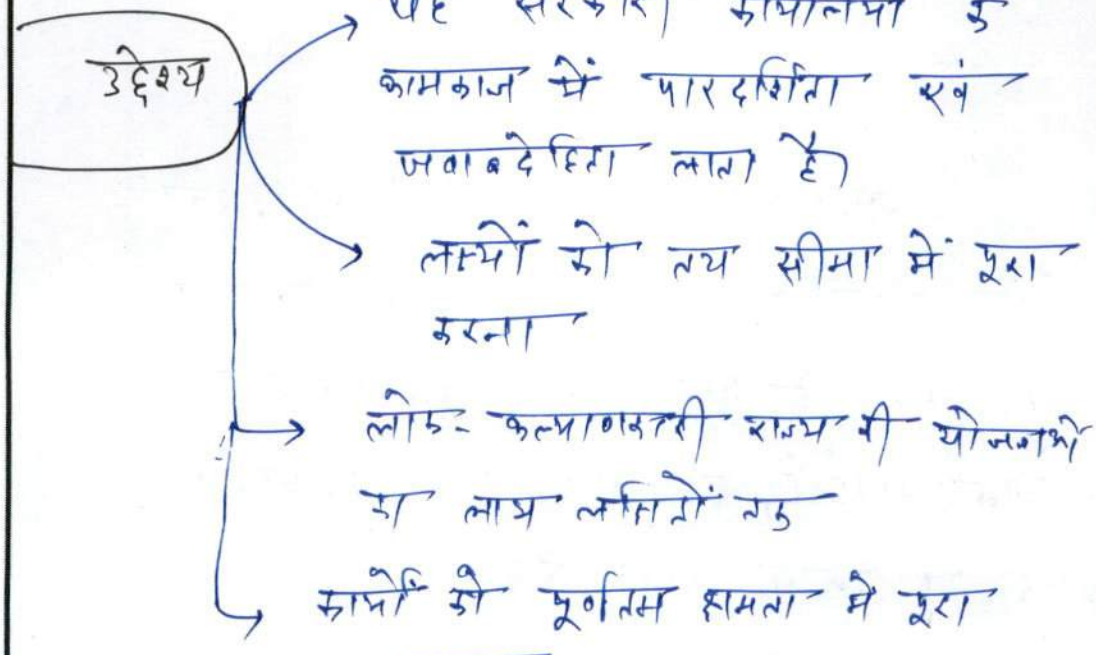

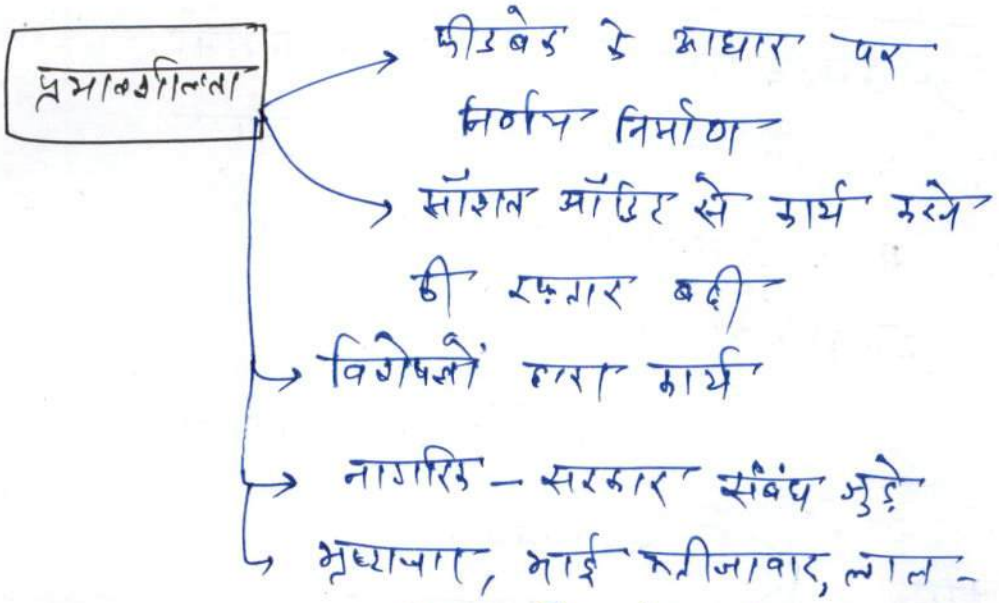

सिविल-चार्टर एवं RTI के संयोग से अधिकार-आधारित एप्रोच सुनिश्चित हुई है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी (प्रोबिटी) और कुछ नहीं बल्कि निजी जीवन में सत्यनिष्ठा (इंटीग्रिटी) का ही प्रतिबिंब है। चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

Probity in public life is nothing but the reflection of integrity in personal life. Discuss. (Answer in 150 words) 10

प्रोबिटी सार्वजनिक जीवन में ईमानदार, जवाबदेह एवं अनुशासित बने रहने का गुण है। ईमानदारी के क्षेत्र में पेशेवरता जुड़ने से प्रोबिटी बनती है

e.g. अपने काम को तय सीमा में सही निष्ठा से करना

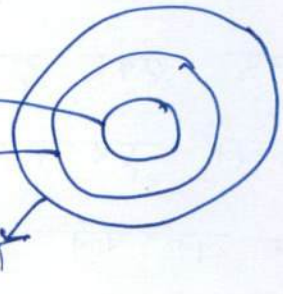

e.g. न्यायाधीश द्वारा राजकीय दौरे के तेल का निजी कार्य हेतु प्रयोग नहीं करना।

वारेन बफेट का मानना है कि रोजगार देते समय व्यक्ति में तीन गुण देखे जाने चाहिए → ईमानदारी, दृढ़ता एवं दक्षता। यदि ईमानदारी का अभाव है तो अन्य मूल्य व्यर्थ है।

↳ प्रोबिटी में यह निहित है

कि कोई ना देखे तब भी अनुशासन एवं ईमानदार बने रहना।

जैसे: कार्यालयी कार्य से इतर व्यक्तिगत कार्यों हेतु IAS अधिकारी द्वारा सरकारी वाहन का प्रयोग न करना।

बिस्मार्क का मानना था कि अच्छे सिविल सेवक एवं भ्रष्ट मनोवृत्ति वाले व्यक्तियों द्वारा प्रशासन चलाना कठिन है जबकि कम दक्ष एवं सत्यनिष्ठ प्रशासकों द्वारा ऐसा संभव है अतः प्रोबिटी मूल्य पदानुक्रम का शीर्ष मूल्य है।

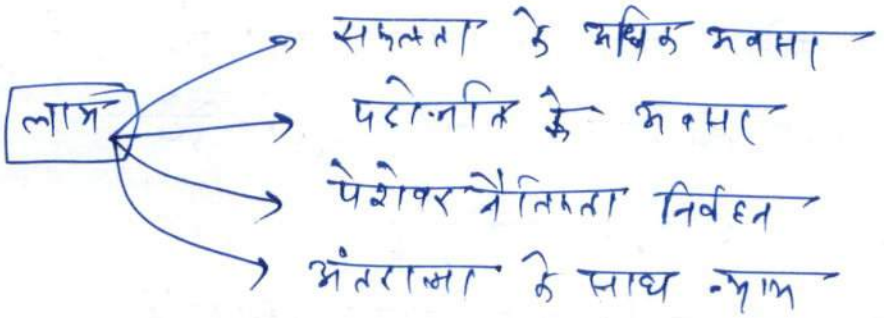

लाभ
- → सफलता के अधिक अवसर
- → पदोन्नति के अवसर
- → पेशेवर नैतिकता निर्वहन
- → अंतरात्मा के साथ न्याय

प्रोबिटी आधुनिक समय में जब भारत की भ्रष्टाचार इंडेक्स में रैंक 85th है तो बहुत महत्वपूर्ण मूल्य दिखाई पड़ता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** भारत में पुलिस की कार्य संस्कृति को अनिर्णय, अक्षमता और सहानुभूति की कमी के रूप में जाना जाता है। चर्चा कीजिए। साथ ही, इस संदर्भ में उपचारात्मक उपायों का भी सुझाव दीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

The work culture of the police in India is said to be characterised by indecision, inefficiency and lack of empathy. Discuss. Also, suggest remedial measures in this context. (Answer in 150 words) 10

समाज में कानून व्यवस्था एवं सार्वजनिक व्यवस्था को बनाए रखने हेतु कल्याणकारी राज्य पुलिस के माध्यम का प्रयोग करता है। समस्या तब पैदा होती है जब राज्य लोकतांत्रिक से पुलिस राज्य बन जाए।

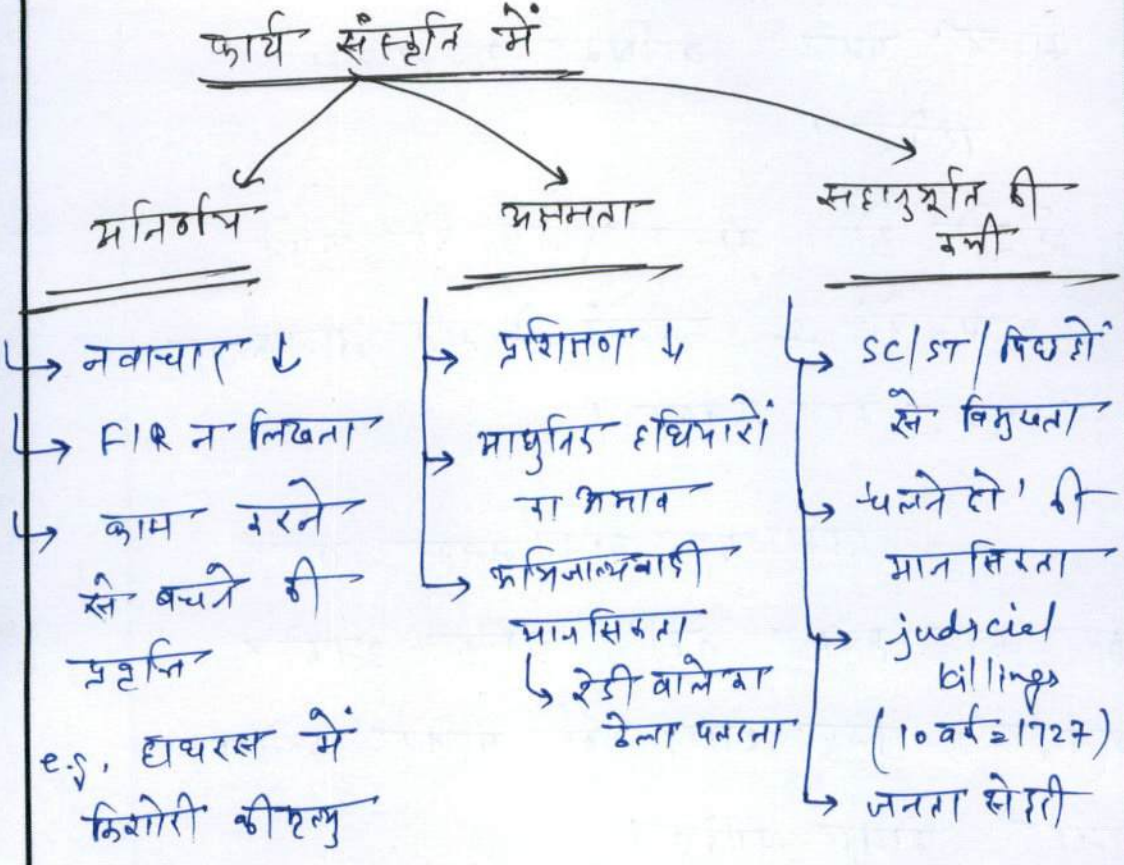

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपचारात्मक उपाय

① प्रशिक्षण → निरंतर
→ विशेषज्ञों द्वारा
→ आधुनिक हथियार

② काम के घंटे तय करना

③ जनता के सुभेद्य वर्ग के प्रति संवेदनशीलता पैदा करना।

④ प्रकाश सिंह वाद में की गई सिफारिशों की अनुपालना।

⑤ समय² पर वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट।

⑥ लोगों को एवं पुलिस को अपने अधिकारों & कर्तव्यों के प्रति जागरूकता

⑦ नवाचार का स्वागत।

पुलिस का कार्य जनता पर ताकत का प्रयोग नहीं बल्कि उनकी भलाई के लिए शक्ति का सीमित प्रयोग माना होना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या अर्थ है?

What does each of the following quotations mean to you?

(a) "बुद्धिमानी से कार्य करने के लिए बुद्धिमत्ता से अधिक की आवश्यकता होती है।" - फ्योदोर दोस्तोयेव्स्की (150 शब्दों में उत्तर दें)

"It takes something more than intelligence to act intelligently." – Fyodor Dostoyevsky. (Answer in 150 words) 10

बुद्धिमत्ता किसी व्यक्ति की किसी कार्य को पूर्ण दक्षता से सम्पन्न करने की क्षमता है। जैसे:- रामानुजन की गणित संबंधी बुद्धिमत्ता।

↳ बुद्धिमानी से कार्य करने का तात्पर्य है कि सही समय, काल, परिस्थितियों में सही निर्णय लेना।

e.g. (1) महात्मा गाँधी की संघर्ष - विराम - संघर्ष की रणनीति

(2) द्वितीय विश्व युद्ध में USSR द्वारा नाजी सेना को आगे बढ़ने देना एवं ठण्ड आने पर हमला करना।

↳ बुद्धि से किया गया कार्य दक्षता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

एवं कुशलता पर टिका होता है परंतु सही समय की पहचान बुद्धिमानी का लक्षण है।

↳ एक बुद्धिमान व्यक्ति यह तो जान पाता है कि कार्य को कैसे किया जाये परंतु उसके सर्वोत्तम परिणामों की प्राप्ति तो बुद्धिमत्तापूर्ण तरीके से ही हो सकती है।

↳ इसी संदर्भ में महात्मा गाँधी ने तात्त्व को व्यवहार से युक्त एवं विज्ञान को नैतिकता से युक्त बताने की बात कही।

प्रबुद्धता ही इसे अन्य प्राणियों से अलग करती है एवं उसका सही उपयोग मानव विकास की दिशा एवं दशा तय करता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (b) "एक लोकप्रिय सरकार, बिना लोकप्रिय जानकारी के, या इसे प्राप्त करने के साधनों के, एक ढोंग की शुरुआत या एक त्रासदी; या संभवतः दोनों है।" - जेम्स मैडिसन (150 शब्दों में उत्तर)

"A popular government, without popular information, or the means of acquiring it, is but a prologue to a farce or a tragedy; or perhaps both."- James Madison (Answer in 150words) 10

वर्तमान समय में सरकार के निर्णयों की जानकारी हेतु RTI एक सशक्त माध्यम बन गया है। सरकारी सूचनाओं द्वारा किसी कार्य की पारदर्शिता, जवाबदेहिता, दक्षता जैसे पहलुओं की जाँच की जाती है जिससे सरकार के स्थायित्व पर प्रभाव पड़ता है

लोकप्रिय सरकार → लोकप्रिय जानकारी

(1) लोकतंत्र में सामान्यतः सरकारें अपनी बुराईयों को छुपाकर केवल अच्छाईयों को बढ़ा-चढ़ा दिखाती है एवं आंशिक जानकारी देती है

⇓

लोगों की राय निर्माण को प्रभावित

e.g. कितने प्रोजेक्ट्स लांच है कि बजाय कितनी पूरी हुई शुरू की → जानकारी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ मीडिया, अखबारों पर नियंत्रण करके मनचाही चीजे छपवाना एवं सेंसरशिप का गलत उपयोग।

e.g. सरकार का विरोध करने वाले मीडिया संस्थाओं पर छापा।

↳ सरकारें उन मुद्दों का चयन करती है जिसमें जनमत उसके पक्ष में हो, न कि शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे आधारभूत मूल्य।

परंतु यह सौ फीसदी सत्य नहीं है वर्तमान में
→ RTI
→ Citizen charter
→ लोकपाल, लोकायुक्त
→ Eco. सर्वे, बजट

इत्यादि माध्यमों से सरकार न केवल अपनी योजनाओं वरन उनकी रियलटाइम स्थिति भी बतलाती है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (c) "चरित्र को अनुनय का लगभग सबसे प्रभावी साधन कहा जा सकता है।" - अरस्तू (150 शब्दों में उत्तर दें)

"Character may almost be called the most effective means of persuasion." - Aristotle (Answer in 150 words) 10

अनुनयन के व्यवहार किसी व्यक्ति में इच्छित परिवर्तन करने के उद्देश्य से किया गया संवाद है। जैसे: सकारात्मक तथ्यों को रखकर अभिवृत्ति परिवर्तन।

e.g. बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ आंदोलन
• स्वच्छ भारत अभियान।

चरित्र → किसी व्यक्ति के भीतर की उन विशेषताओं, मूल्यों का समुच्चय है जो उसे अन्य प्राणियों से पृथक् अस्तित्व स्थापित करते हैं।

अच्छे चरित्र वाला व्यक्ति ही साधारण समाज की नज़र में प्रामाणिक व्यक्ति होता है, इसी से वह जन उसे सुनते हैं एवं व्यवहार में अपनाते हैं

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

यह राम का सद्चरित्र ही था कि वनगमन के दौरान पूरी जनता उनके लिए आँसू बहाती है।

↳ इसी प्रकार हर नेता का चरित्र सामान्य जनों द्वारा अनुसरण किया जाता है, अतः उनके मूल्य उस समाज की नियति निर्धारित करते हैं।

e.g. हिटलर एवं मुसोलिनी के नियंत्रण राज्यों द्वारा 2nd ww की त्रासदी जबकि श्रीराम द्वारा रामराज्य की स्थापना।

इस प्रकार चरित्र का आकर्षक, प्रभावशाली एवं करिश्मैटिक होना अनुनय को अधिक प्रभावी एवं व्यापक बना देता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

खण्ड B
SECTION B

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरणों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उनके आगे आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में):

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

7. आप एक युवा आई. ए. एस. अधिकारी हैं और हाल ही में एक ऐसे जिले में सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट के रूप में पदस्थापित हुए हैं जिसे "खुले में शौच मुक्त" घोषित किया गया है। हालांकि, आपको जानकारी मिलती है कि आपके सब-डिविजन के कुछ गांवों में शौचालयों की उपलब्धता के बावजूद अभी भी खुले में शौच करने की प्रथा जारी है। जिला प्रशासन में आपके सहयोगी इस जानकारी की सत्यता की पुष्टि करते हैं। आप इन गांवों के ग्राम प्रधानों को बुलाते हैं और उनसे कहते हैं कि वे अपने-अपने ग्रामीणों को खुले में शौच न करने के लिए राजी करें। लेकिन, वे इस प्रथा को पूरी तरह से बंद करने में अपनी अनिच्छा और असमर्थता व्यक्त करते हैं, क्योंकि वे कुछ मामलों में स्वयं खुले में शौच करने को सही मानते हैं। आप इस मामले पर जिलाधिकारी से चर्चा करते हैं जो आपको कोई भी आधिकारिक कार्रवाई करने से मना कर देते हैं, क्योंकि इससे जिले को दिया गया 'खुले में शौच मुक्त' का दर्जा वापस लिया जा सकता है।

एक युवा और सक्रिय अधिकारी के रूप में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) घर में शौचालय होने के बाद भी लोग खुले में शौच क्यों करते हैं?

(b) इस प्रकरण में एक सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट के रूप में आपके पास कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं? प्रत्येक विकल्प के गुणों और दोषों पर प्रकाश डालिए।

(c) आप क्या कार्रवाई करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दें)

You are a young IAS officer and have recently joined as a Sub-Divisional Magistrate in a district, which has been declared 'open defecation free'. However, you get information that some villages in your sub-division are still continuing the practice of open defecation out of habit despite availability of toilets. Your colleagues in the district administration confirm that the information is true. You call the village headmen of these villages and tell them to persuade their respective villagers to stop open defecation. But, they express their unwillingness and inability to fully stop this practice, as in some cases they themselves consider it healthy to defecate in the open. You discuss this matter with the District Magistrate who forbids you from taking any official action, as this may cause the 'open defecation free' status given to the district to be withdrawn.

As a young and dynamic officer, answer the following:

(a) Why do people continue to practice open defecation even when they have access to toilets?

(b) What are the options available to you as the Sub-Divisional Magistrate in this case? Highlight the merits and demerits of each option.

(c) What will be your course of action? (Answer in 250 words) 20

प्रस्तुत केस स्टडी भारत सरकार द्वारा स्वच्छता एवं स्वास्थ्य की सुरक्षा हेतु शुरू किए गए ODF मिशन से विचलन को दर्शित करती है। खुले में शौच संक्रमणीय बीमारियों का सबसे बड़ा कारण है जिससे लोगों एवं सरकार पर स्वास्थ्य खर्च बढ़ता है एवं उत्पादकता कम होती है।

हितधारक
- → SDM पद पर आसित मैं
- → जिले के नागरिक
- → सरकार (नीति - निर्माता)
- → खुले शौच करने वाले
- → गाँव के प्रधान
- → प्रशासन में वरिष्ठ अधिकारी

(a) <u>खुले में शौच के कारण</u>

(1) ग्रामीण स्तर पर लोगों द्वारा यह व्यवहार सदियों से किया

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जा रहा है, अतः एकदम से आमूलचूल परिवर्तन संभव नहीं है।

(2) लोगों को खुले में शौच से फैलने वाली घातक संक्रमणीय बीमारियों के बारे में आवश्यक जानकारी का अभाव

(3) घर में शौच को लेकर लोगों की धारणा है कि यह अपवित्र है, अतः वे व्यवहार में उसे नहीं अपनाते।

(4) गाँव के मुखिया एवं जिम्मेदार लोगों द्वारा खुले में शौच में' से गलत उदाहरण सेट हो जाता है।

(5) ODF एवं SBM पर सरकार का ध्यान तो है परंतु व्यवहार परिवर्तन हेतु आवश्यक प्रचार-प्रसार ग्रामीण स्तर तक नहीं पहुँच पाया है।

(6) खुले में शौच के विपरीत घर में शौच संबंधी नकारात्मक अभिवृत्ति

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) उपलब्ध विकल्प

① मैं चुपचाप जो हो रहा है देखता रहूँ एवं वर्तमान व्यवस्था चलने दूं [सीनियर की बात मानना]

गुण	दोष
• ग्रामीणों का रोष नहीं झेलना पड़ेगा	• कानून का पूरी आत्मा से पालन नहीं करना
• प्रशासन-नागरिक संबंध मधुर बने रहेंगे	सिविल सेवा मूल्यों एवं संवैधानिक मूल्यों के विपरीत
• व्यक्तिगत एवं प्रशासनिक जीवन में समन्वय	• जिम्मेदार सिविल सेवक नहीं
	• भोगमीडिया द्वारा पता लगने पर किरकिरी हो सकती है

② सीनियर की बात न मानकर कार्यवाई करते हुए खुले में शौच करने वालों पर दण्ड / जुर्माना

(गुण) → इससे लघुकाल में ही दण्ड के डर से खुले में शौच पर रोक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ सरकारी लाभों की सुलभ प्राप्ति
→ लोगों के स्वास्थ्य के लिहाज से दीर्घकाल में फायदेमंद

दोष
→ अलोकतांत्रिक एवं अभिजात्यवादी मानसिकता
→ यह नागरिक केंद्रित शासन की धारणा के विपरीत।

③ गाँव के जिम्मेदार लोगों एवं मुखिया को समझाकर मनाना

गुण
→ सहमति से निर्णय
→ व्यवहार परिवर्तन

दोष
→ नहीं माने तो व्यर्थ प्रयास
→ पूर्व में भी गलत उदाहरण

मेरी कार्रवाई

(1) सर्वप्रथम लोगों की मानसिक स्थिति को जानकर उन्हें समझाने का प्रयास करूँगा कि यह अपवित्र नहीं बल्कि स्वास्थ्य सुरक्षा हेतु आवश्यक

(2) रोल मॉडल, NGO, SHG की सहायता से व्यवहार परिवर्तन

(3) मीडिया, सोशल मीडिया द्वारा कैम्पेन

(4) पुरस्कार एवं सम्मान।

महात्मा गाँधी ने भी स्वच्छता को पवित्र मन हेतु आवश्यक शर्त माना है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. आप एक ऐसे जिले के जिलाधिकारी हैं, जो इंजीनियरिंग के साथ-साथ मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं के कोचिंग संस्थानों का एक हब है। हाल ही में, लगभग 5 छात्रों ने शैक्षणिक और सामाजिक दबाव के कारण आत्महत्या कर ली है। देश भर से 15-18 वर्ष के आयु वर्ग के अनेक छात्र IIT और AIIMS जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश पाने का सपना लेकर जिले में आते हैं। हालांकि, कोचिंग संस्थान व्यवसायिक मानसिकता से कार्य करते हैं और चाहते हैं कि टॉपर्स उनके संस्थान के ही हों ताकि वे और अधिक छात्रों को आकर्षित कर सकें। वे बेहतर प्रदर्शन करने के लिए छात्रों पर बहुत अधिक दबाव बनाते हैं, छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर अलग-अलग श्रेणी के बैच बनाने जैसे भेदभावपूर्ण व्यवहार करते हैं। ये छात्र पेइंग गेस्ट के रूप में और अपने परिवारों से दूर हॉस्टल में रहते हैं तथा उनमें से कई प्रतियोगिता के भारी बोझ और उससे जुड़े मानसिक तनाव का सामना करने में सक्षम नहीं होते हैं।

हाल ही में, 5 छात्रों द्वारा की गई आत्महत्या की घटनाओं को राष्ट्रीय मीडिया द्वारा उजागर किया गया है और आपको मुख्यमंत्री द्वारा स्थिति की रिपोर्ट पेश करने तथा मामले में उचित कदम उठाने के लिए कहा गया है। मुख्यमंत्री ने आपको इस मामले को लाइमलाइट से दूर रखने के लिए भी कहा है ताकि कोचिंग संस्थान अपना कारोबार करते रहें और अपने लिए तथा राज्य के लिए राजस्व उत्पन्न करते रहें। जांच करने पर, आपको पता चलता है कि 2-3 सबसे प्रसिद्ध कोचिंग संस्थान सत्तारूढ़ दल के राजनीतिक नेताओं द्वारा चलाए जा रहे हैं। वे छात्रों को लुभाने के लिए झूठे विज्ञापनों का सहारा ले रहे हैं। वे छात्रों पर प्रदर्शन करने के लिए अनुचित दबाव भी बनाते हैं। इसके अलावा, प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं का एक अवैध बाजार भी उभर रहा है और यह छात्रों के बीच काफी प्रचलित है।

स्थिति को देखते हुए:

(a) इसमें शामिल हितधारकों का उल्लेख कीजिए और दिए गए प्रकरण से जुड़े नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) दी गई स्थिति में, आप क्या कार्रवाई करेंगे?

(c) छात्रों के बीच आत्महत्या के मामलों में वृद्धि के विभिन्न कारणों पर चर्चा करते हुए, इस मुद्दे के दीर्घकालिक समाधान के लिए उपाय सुझाइए। (250 शब्दों में उत्तर दें)

You are the District Magistrate of a district, which is the hub of coaching centres for engineering as well as medical entrance exams. Recently, around 5 students have committed suicide owing to academic and social pressure. Students in the age group 15-18 years from across the country come to the district with the dream of getting admission into prestigious institutions like the IITs and AIIMS. However, the coaching institutes are business-minded and want to have toppers from their institute so that they can attract more students. They create a lot of pressure on students to perform, with differential treatment like forming different category of batches depending on students' performance. These students live as Paying Guests and in hostels away from their families and many cannot tackle the huge burden of competition and the associated mental stress.

The recent spate of suicide by 5 students has been highlighted by the national media and you have been asked by the Chief Minister to present a report of the situation and take steps on the matter. The Chief Minister has also asked you to keep the matter away from limelight so that the coaching centres continue with their business and generate revenue for themselves as well as the state. Upon investigation, you find out that 2-3 of the most famous coaching institutions are run by political leaders of the ruling party.

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

They are involved in false advertisements in order to lure students. They also create undue pressure on the students to perform. Also, there is an emerging black market for performance enhancing drugs, which have become common among the students.
Given the situation:

(a) Highlight the stakeholders involved and discuss the associated ethical issues in the given case.
(b) Given the situation, what will be your course of action?
(c) Discussing the various reasons for increased cases of suicides among students, suggest measures to address the issue in the long-run. (Answer in 250 words)
20

प्रस्तुत केस सड़ी कोचिंग शिक्षण संस्थाओं द्वारा चालित अनैतिक वातावरण एवं इससे छात्रों पर पड़ने वाले दबाव से संबंधित है। आए साल कोटा में इस कारण कई छात्रों द्वारा आत्महत्या की जाती है जो इस मुद्दे की ओर समाज का ध्यान खींचती है।

- छिछोरे मूवी में भी ऐसा ही प्रसंग है

a) हितधारक	हित
① जिले के DM के रूप में मैं	कानूनों के उल्लंघन को रोकना एवं कानून व्यवस्था स्थापित करना।
② आत्महत्या करने वाले छात्र	जीवन के अधिकार की समाप्ति

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ कोचिंग संस्थान	अधिकाधिक लाभ कमाना
④ राजनीतिक दल	समाज में न्याय व्यवस्था एवं कानूनों की सरकार।
⑤ छात्रों के माता-पिता	बच्चों का जीवन दाँव पर।
⑥ प्रदर्शन करने वाली कंपनियाँ	मुनाफा कमाना।

नैतिक मुद्दे

(1) छात्रों की आत्महत्या राज्य में शासन व्यवस्था की विफलता का उदाहरण

(2) कोचिंग माफियों द्वारा अनैतिक तरीके से लाभ कमाने की प्रवृत्ति

(3) कोर्पोरेट गवर्नेंस का अभाव।

(4) राजनीतिक दलों द्वारा असंवेदनशीलता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(5) दवा कंपनियों द्वारा अवैध एवं अनैतिक तरीके से दवा बेचना।

b) मेरी कार्रवाई

(1) सर्वप्रथम मैं पूरे प्रकरण की जाँच हेतु एक पुलिस एसपर्ट समिति बनाऊँगा एवं मामले के कारणों की पड़ताल करूँगा।

(2) ऐसे कोचिंग दलों को जो अवैध दबाव बनाकर छात्रों को मनोवैज्ञानिक दबाव की ओर धकेल रहे हैं, उन पर सख्त कार्रवाई।

(3) दवा कंपनियाँ जो बिना प्रिस्क्रिप्शन दवाएँ बेच रही है, उन पर कार्रवाई एवं लाइसेंस जब्त।

(4) मीडिया द्वारा ऐसे गंभीर मामलों को केंद्र में लाना ताकि लोगों को जागरूकता हो।

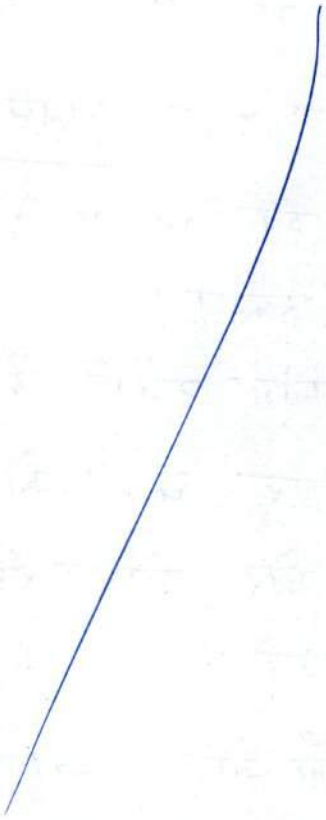

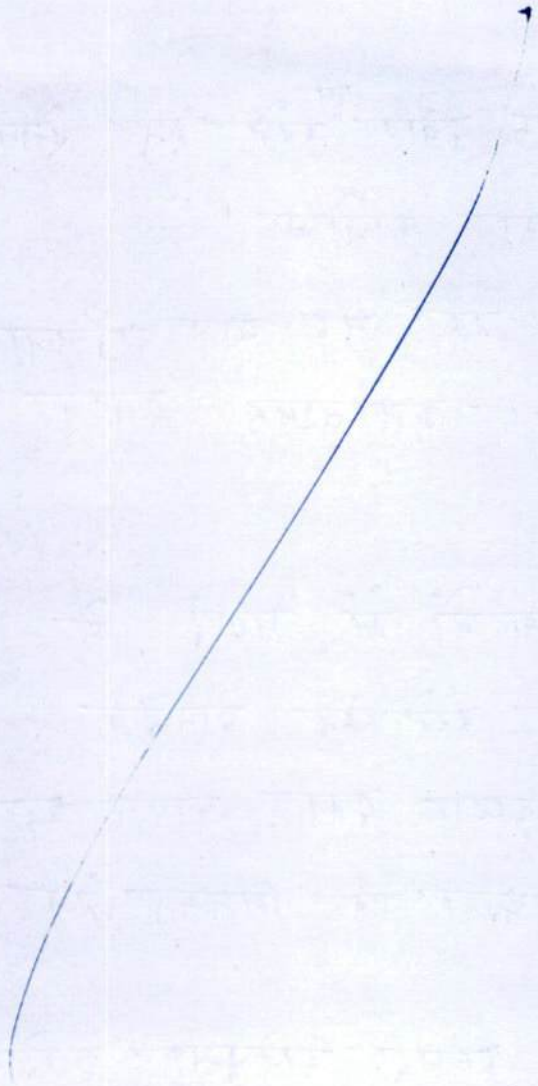

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(5) CM की राय / दबाव से अप्रभावित होकर संवैधानिक शपथ के अनुसार कार्य करूँगा।

(6) कोचिंग एरिया में लोगों एवं छात्रों से व्यापक चर्चा

दीर्घकाल

(1) मनोवैज्ञानिक दबाव कम करने हेतु सेमिनार, सम्मेलनों का आयोजन।

(2) माता-पिता तक यह बात पहुँचाना कि बच्चों पर अनावश्यक दबाव न डाले

(3) कोचिंग संस्थाओं में पढ़ाई के घण्टे संतुलित करने हेतु बातचीत

(4) बिना प्रिस्क्रिप्शन दवा व्यापार पर रोक। निगरानी एवं नियमन तेज

(5) छात्रों हेतु एमसद्रा करिकुलर एक्टिविटीज के प्रावधान

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(6) सरकार को इस संबंध में सटीक नीति बनाने की सिफारिश

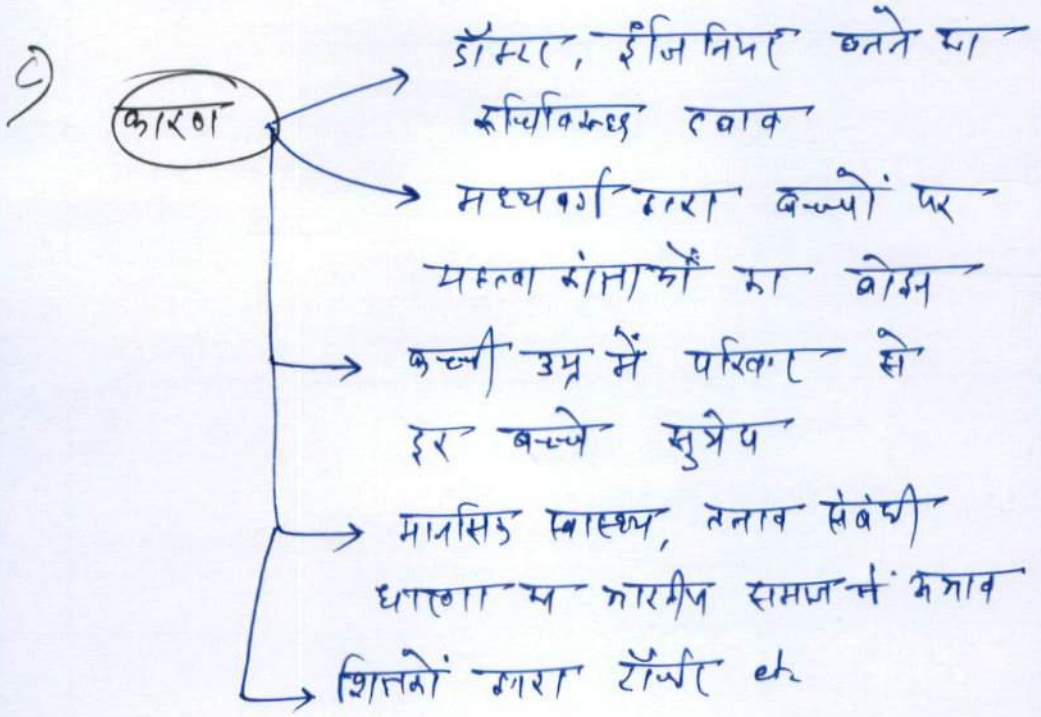

7) कारण
→ डॉक्टर, इंजीनियर बनने का सर्वाधिक दबाव
→ मध्यवर्ग द्वारा बच्चों पर महत्वाकांक्षाओं का बोझ
→ कच्ची उम्र में परिवार से दूर बच्चे सुभेद्य
→ मानसिक स्वास्थ्य, तनाव संबंधी धारणा का भारतीय समाज में अभाव
→ शिक्षकों द्वारा रॉगिंग etc

समाधान
(1) छात्रों एवं माता-पिता दोनों तक मानसिक स्वास्थ्य की जानकारी
(2) रहने हेतु उचित वातावरण का चयन
(3) सरकार, समाज एवं मीडिया का ध्यान खींचना
(4) कला विषयों को (NEP-2020) में यथोचित महत्व

छात्रों की आत्महत्या देश के भविष्य पर कुठाराघात है, अतः समुचित उपाय समय की मांग है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. आप देश की एक बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी में प्रोजेक्ट डायरेक्टर के पद पर नियुक्त हैं। उक्त कंपनी को एक राज्य में एक बंदरगाह और उसके आंतरिक इलाकों को विकसित करने की अनुमति मिली है। इस परियोजना का देश के लिए आर्थिक और रणनीतिक महत्व है क्योंकि यह अपने परिचालनों के जरिए, इस क्षेत्र में एक प्रमुख ट्रांसशिपमेंट हब विकसित करेगी और नए व्यवसायों के विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी तथा रोजगार के अवसर पैदा करेगी।

साथ ही, इस परियोजना का सफल समापन और संचालन कंपनी के लिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसकी कुछ पिछली परियोजनाओं को स्थानीय समुदायों के विरोध के कारण रोक दिया गया था एवं इसमें न केवल कंपनी की प्रतिष्ठा बल्कि महत्वपूर्ण निवेश भी दांव पर लगा हुआ है।

परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण निर्धारित नियमों और विनियमों के अनुसार पूरा किया गया है। पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन किया गया है और परियोजना को संबंधित अधिकारियों से हरी झंडी मिल गई है। साथ ही, निर्धारित मानदंडों के अनुसार प्रभावित लोगों को पुनर्वास और वैकल्पिक आजीविका के अवसर भी उपलब्ध कराए गए हैं।

हालांकि, एक बार निर्माण शुरू होने के बाद, कुछ किसान समूहों ने इस आधार पर विरोध करना शुरू कर दिया है कि उन्हें पर्याप्त मुआवजा नहीं प्राप्त हुआ और यह परियोजना उनकी आजीविका को नकारात्मक रूप से प्रभावित करेगी। वे मांग कर रहे हैं कि या तो परियोजना को रोक दिया जाए या उन्हें प्रदान किए गए मुआवजे में और अधिक धनराशि दी जाए तथा उन्हें सुनिश्चित नौकरियां भी मिलें।

इस संदर्भ में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में प्रासंगिक हितधारकों और उन्हें प्रभावित करने वाले मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) दिए गए संदर्भ में, विरोध करने वाले समूहों की मांगों को मानने के गुणों और दोषों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) आप कौन-सी कार्रवाई का अनुसरण करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दें)

You are appointed as the Project Director in a large infrastructure company of the country. The company has won the rights to develop a port and its hinterland in a state. The project has economic and strategic significance for the country as it would develop a leading transshipment hub in the region and would lead to higher exports and earnings through its operation, flourishing of new businesses and also create employment opportunities.

Also, the successful completion and operationalization of the project is important for the company as some of its previous projects were halted due to protests by the local communities and not only the reputation of the company but also significant investments are at stake.

The land acquisition for the project has been completed as per the laid down rules and regulations. The Environmental Impact Assessment has been carried out and the project has received the go ahead from the concerned authorities. Also, rehabilitation and alternative livelihood opportunities are made available to the affected people as per the laid-down norms.

However, once the construction started, some farmer groups started agitating on the grounds that they have not been adequately compensated and that the project will negatively impact their livelihoods. They are demanding that either the project be halted or the compensation provided to them be increased substantially by way of money and assured jobs.

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

In this context, answer the following:

(a) Identify the relevant stakeholders in this case and the issues affecting them.

(b) Evaluate the merits and demerits of ceding to the demands of the protesting groups, in the given context.

(c) What course of action will you follow? (Answer in 250 words) 20

a)

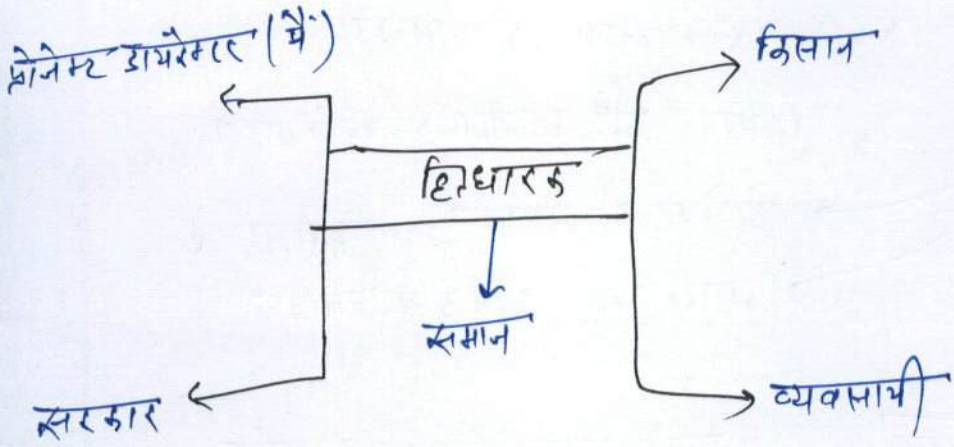

(1) प्रोजेक्ट डायरेक्टर के रूप में मेरी जिम्मेदारी है कि ट्रांसशिपमेंट हब निर्माण के प्रोजेक्ट को सुचारू रूप से चलने का मार्ग निकालूं

मुद्दे → किसानों द्वारा विरोध
→ अधिक मुआवजे → वित्तीय दबाव ↑

(2) किसानों की भूमि अधिग्रहित हुई है अतः पर्याप्त पुनर्वास एवं रोजगार की माँग

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

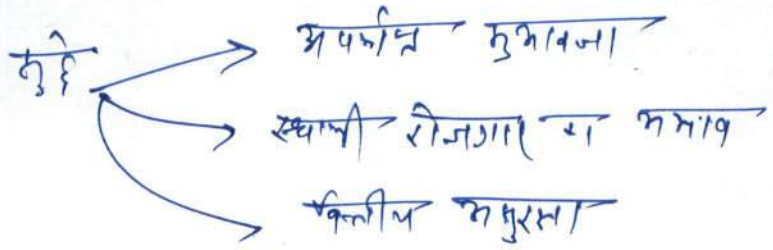

(3) व्यवसायी, व्यापार के प्रोजेक्ट को समय पर पूरा कर लाभ ही आएगा।

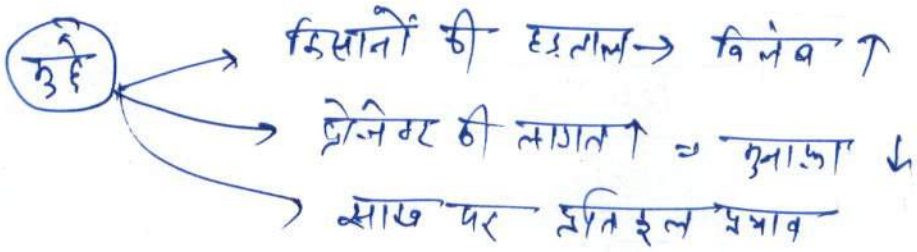

(4) सरकार → अवसंरचना विकास एवं देश की आर्थिक संवृद्धि।

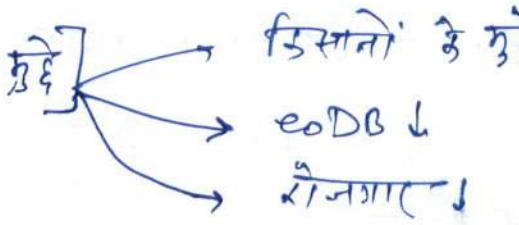

b) किसानों की माँग मानना

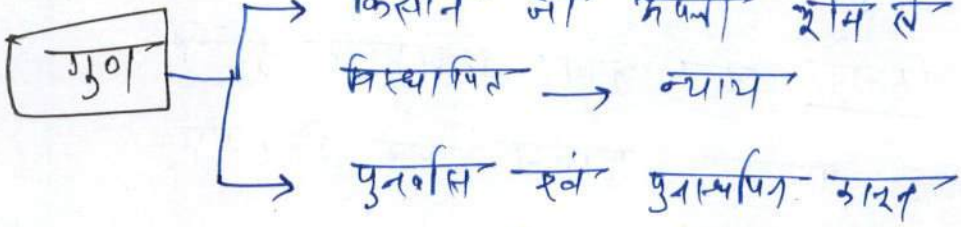

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ लोकतंत्र में सभी की बात सुनना चाहिए
→ सरकार की साख बढ़ेगा
→ प्रशासन - सरकार - जनता संबंध मजबूत
→ सही समस्या की जड़ पता लगेगी

(दोष) → व्यापार सुगमता में बाधा
→ ऐसे विरोध हेतु गलत उदाहरण सेट हो जायेगा
→ यह दीर्घकाल में पूरे देश हेतु खतरा
→ सरकार पर वित्तीय बोझ ↑
→ विदेशी FDI में कमी आ सकती है

c) मेरी कार्रवाई

(1) सर्वप्रथम मैं पूरे प्रोजेक्ट की स्वीकृति प्रक्रिया का मूल्यांकन
↳ कहीं कानून उल्लंघन तो नहीं

(2) किसानों की वास्तविक समस्या

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जानने हेतु एक समिति का निर्माण।

(3) किसानों को कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु मनाना

(4) किसानों की माँगों का मेमोरेण्डम सरकार तक पहुँचाना।

(5) किसानों को NGO, SHG द्वारा आर्थिक सहायता

(6) अन्य सरकारी योजनाओं की पड़ताल जहाँ किसानों को विकल्प मिल सके।

वर्तमान में भारत सरकार हेतु जितना व्यापार सुगमता महत्वपूर्ण है उतना ही किसानों का मुद्दा भी। अतः सही प्रक्रिया का पालन हो।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

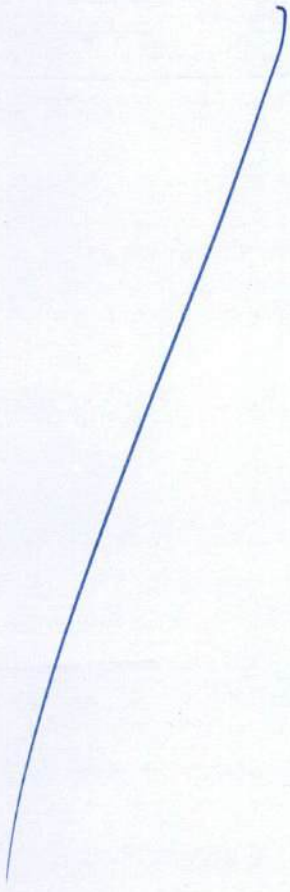

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए, हरित ऊर्जा को सबसे अच्छे समाधानों में से एक माना जाता है। देश अब कोयले की जगह जलविद्युत्, जीवाश्म ईंधन के स्थान पर सौर ऊर्जा, पेट्रोल और डीजल से संचालित कारों की जगह इलेक्ट्रिक वाहनों (EVs) को अपना रहे हैं। EVs को एक स्वच्छ, हरित और टिकाऊ विकल्प के रूप में पेश किया जा रहा है। इलेक्ट्रिक कारें बैटरी का उपयोग करती हैं तथा इन बैटरियों के निर्माण हेतु प्रयुक्त लिथियम और कोबाल्ट दुर्लभ धातुएं हैं। बैटरी में कोबाल्ट इसे स्थिर रखता है और इसके सुरक्षित संचालन में मदद करता है। कोबाल्ट का उपयोग लगभग आधी इलेक्ट्रिक कारों में किया जाता है, जो एक बैटरी में लगभग चार से 30 किलोग्राम तक उपयोग होता है।

आप उस जिले के जिलाधिकारी हैं जहां कोबाल्ट प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। ऐसी ही एक कोबाल्ट साइट में जाने पर आपको पता चलता है कि खदानों में बच्चों को काम पर रखा गया है और ये बच्चे रोजाना अपने जीवन को संकट में डालकर कार्य करते हैं। वे ऊर्ध्वाधर सुरंगों में प्रवेश करते हैं जो वयस्कों हेतु प्रवेश करने के लिए बहुत संकीर्ण हैं और भट्टी जैसे वातावरण की अमानवीय परिस्थितियों में कोबाल्ट की खुदाई करते हैं। हालांकि, वे केवल कभी-कभी ही फावड़े का उपयोग करते हैं और सामान्यतः अपने हाथों से ही खुदाई करते हैं। उन्हें मास्क, दस्ताने, कार्य हेतु उचित कपड़े नहीं दिए जाते हैं और एक बार में केवल 20 मिनट तक की ही ऑक्सीजन दी जाती है। फिर भी ये छोटे बच्चे घंटों खुदाई करते हैं। कोबाल्ट के पत्थरों को खोदने के पश्चात्, वे उन्हें तोड़ते हैं, उन्हें धोते हैं और फिर उन्हें बेचने के लिए बाजार में ले जाते हैं।

इस संबंध में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) कानूनी और संस्थागत उपायों के बावजूद, भारत में बाल श्रम के जारी रहने के कारणों पर चर्चा कीजिए।

(c) दी गई स्थिति के संदर्भ में, जिले में बाल श्रम की समस्या के समाधान के लिए आप क्या कदम उठाएंगे? (250 शब्दों में उत्तर दें)

In order to tackle climate change, green energy is touted as one of the best solutions. Countries are now replacing coal with hydroelectric power, fossil fuels with solar energy, petrol and diesel cars with electric vehicles (EVs). EVs are being pitched as a cleaner, greener and sustainable alternative. Electric cars use batteries, and lithium and cobalt are rare metals that make up these batteries. The cobalt in the battery keeps it stable and allows it to operate safely. Cobalt is used in about half of the electric cars, which is about four to 30 kilograms per battery.

You are the District Magistrate of a district where cobalt is found in abundance. On a visit to one such cobalt site, you find out that children are employed in the mines and these children flirt with death daily. They enter vertical tunnels that are too narrow for adults to enter and dig for cobalt under inhumane conditions in a furnace-like environment. Although, they sometimes use shovels, they typically dig with their bare hands. They are not provided with masks, gloves, work clothes and are only provided with 20 minutes of oxygen at a time. Yet, these young children dig for hours. Upon digging the rock, they crush it, wash it and then take their finds to the market in order to sell them.

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

In this regard, answer the following questions:

(a) Discuss the ethical issues involved in the above case.

(b) Despite the legal and institutional measures, discuss the reasons behind the prevalence of child labour in India.

(c) In context of the given situation, what steps will you take to address the issue of child labour in the district? (Answer in 250 words) 20

उपर्युक्त केस स्टडी बलात् श्रम एवं बाल श्रम की समस्या से जुड़ी है। भारतीय संविधान के आर्टिकल - 23, 24 में इसे अवैध एवं आपराधिक करार दिया गया है।

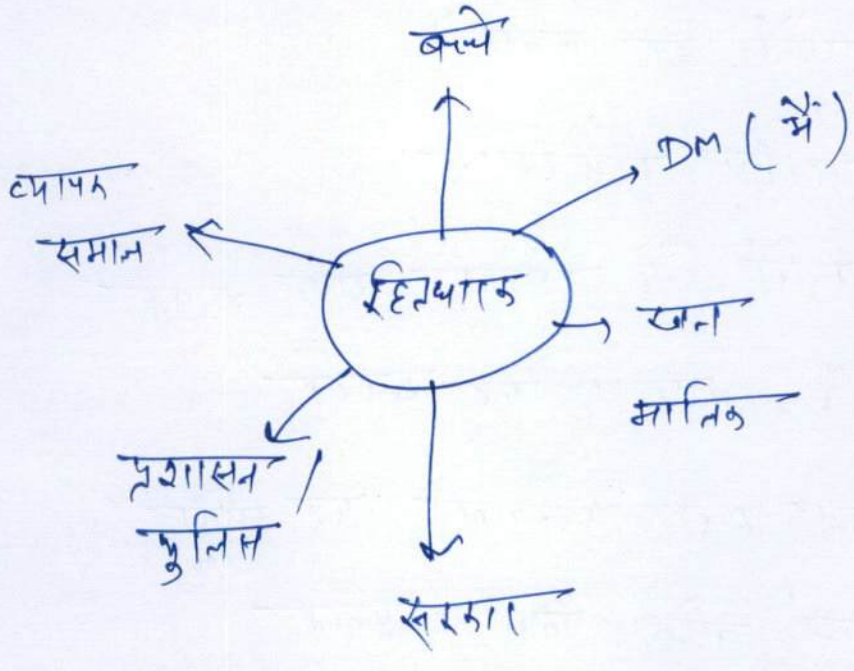

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

9) नैतिक मुद्दे

1. खनन क्षेत्र में बालश्रम की समस्या।
2. बच्चों की आजीविका
3. बच्चों के बचपन छीन जाने की समस्या।
4. खान व्यवसायों द्वारा सरकारी कानूनों का उल्लंघन
5. कार्यस्थल पर पर्याप्त सुरक्षा मानकों का अभाव।
6. अमानवीय कार्य दशाएँ।
7. बच्चों के शिक्षा एवं जीवन के अधिकार पर खतरा
8. खनन द्वारा पर्यावरण पर सृजित होने वाले विपरीत प्रभाव

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बालश्रम जारी रहने के कारण

1. अत्यधिक जनसंख्या के पास संसाधनों की कमी (140 करोड़)
2. चरम गरीबी के कारण (21.9% BPL)
3. सरकारी कानूनों की अनुपालना न होना
4. पर्याप्त तरीके से खनन क्षेत्रों के मूल्यांकन का अभाव।
5. दलित बच्चे अधिक सुभेद्य → गरीबी का चक्र
6. माता-पिता की ऋणग्रस्तता
7. स्वास्थ्य कोष की कमी (बच्चों को रोगों का इस ओर धकेलता है)
8. सरकारों के लिए प्राथमिकता का मुद्दा न होना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

समाधान के उपाय

① पुलिस के स्तर पर

- निरंतर उद्योगों की निगरानी
- कानूनी उल्लंघनकर्ता को कठोर दण्ड
- खनन क्षेत्र पर कार्यवाहियों की जाँच।

② सरकार

- बाल-श्रम प्रतिषेध अधि. के प्रावधानों को कड़ा करना
- खतरनाक उद्योगों में बाल श्रम पर पूर्णतया निषेध
- मुफ्त शिक्षा, स्वास्थ्य को वास्तविक बनाना।

③ खनन उद्योगों & अन्य उद्योगों

- कॉर्पोरेट गवर्नेंस पालन हेतु प्रोत्साहन
- श्रेष्ठ का सही कार्यवाही एवं उचित उपकरणों की उपलब्धता।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) माता - पिता - समाज

- बच्चों के शिक्षा हेतु जागरूकता
- रोजगार के अन्य अवसर
  - कम जोखिम
- बच्चों के प्रति संवेदनशीलता

बच्चों के बालश्रम की घटनाएँ देश के सामाजिक पूँजी निर्माण को बाधित करती है, अतः NGOs एवं SHGs की पूर्ण सहभागिता लेकर ऐसे बच्चों का पुनर्वास किया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. आप एक टेलीविजन रियलिटी शो के निर्माताओं में से एक हैं। यह शो देश में बहुत लोकप्रिय है और समाज के सभी वर्गों एवं विभिन्न क्षेत्रों में इसके दर्शकों की अत्यधिक संख्या है। हालांकि, एक विवाद सामने आया है जिसमें शो के नवीनतम सीजन में, फिल्म उद्योग के एक प्रतियोगी, जिस पर उसके कई सहकर्मियों द्वारा यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है, उसको एक प्रतिभागी के रूप में शामिल किया गया है। कई मीडिया कंपनियों ने इसकी रिपोर्ट की है और महिला उत्पीड़न के देश के सबसे हाई-प्रोफाइल कथित आरोपी व्यक्तियों में से एक को राष्ट्रीय मंच पर लाने के लिए शो की आलोचना भी की है। वे इसे उन महिलाओं के अपमान के रूप में मानते हैं जिन्होंने अपने उत्पीड़न के मामलों को बहादुरी से प्रकट किया था।

निजी तौर पर आप भी ऐसा ही महसूस करते हैं और आपका मानना है कि ऐसे विवादित व्यक्ति को शो में नहीं शामिल किया जाना चाहिए था। हालांकि, जब आप अन्य निर्माताओं से इसके बारे में बात करते हैं, तो वे मानते हैं कि विवाद शो के लिए अच्छा है, क्योंकि यह मुफ़्त में प्रचार करता है। साथ ही, उनका कहना है कि कोई व्यक्ति तब तक दोषी नहीं होता है जब तक कि न्यायालय द्वारा उसे दोषी घोषित न किया गया हो और मीडिया ट्रायल के कारण किसी व्यक्ति के करियर को खराब नहीं किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, विचाराधीन व्यक्ति शो के होस्ट के अत्यधिक करीबी है, जो कि देश में एक बेहद लोकप्रिय सार्वजनिक हस्ती है। इस शो को बहुत पसंद किया जाता है और शो की सफलता भी उस पर निर्भर है। कोई भी निर्माता होस्ट को नाराज नहीं करना चाहता है।

दी गई स्थिति में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) आपके समक्ष कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं और आप क्या कार्रवाई करेंगे?

(c) ऐसे प्रकरणों में मीडिया द्वारा ट्रायल के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों पर चर्चा कीजिए।

(250 शब्दों में उत्तर दें)

You are one of the producers of a television reality show. The show is very popular in the country and has a wide viewership among all sections of the society and across various regions. However, a controversy has emerged wherein in the latest season of the show, a contestant from the film industry who has been accused of sexual harassment by many of his co-workers has been accepted as a participant. Several media houses have reported it and have criticized the show for giving a national platform to one of the country's most high-profile alleged perpetrators of female harassment. They term it as a denigration of those women who had bravely spoken up about their harassment.

In a personal capacity, you also feel the same and are of the view that such a controversial person should not have been invited to the show. However, when you talk to other producers about it, they opine that the controversy is good for the show, as it generates free publicity. Also, they say that a person is not guilty unless the court of law declares so and the career of a person should not be sabotaged due to media trial. Moreover, the person in question is very close to the host of the show, who is an extremely popular public figure in the country. The show commands a huge fandom and success of the show is also contingent on him. None of the producers want to antagonize the host.

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

In the given situation, answer the following questions:

(a) What are the ethical issues involved in the case?
(b) What are the options available to you and what will be your course of action?
(c) Discuss the positive and negative impacts of trial by media in such cases. (Answer in 250 words) 20

प्रस्तुत केस स्टडी फिल्म उद्योग में महिलाओं के साथ कास्टिंग काउच एवं काम के बदले यौन शोषण की समस्या से जुड़ी है। Metoo एवं times up जैसे आंदोलन ऐसी ही घटनाओं के विरोध में शुरू किए गए हैं।

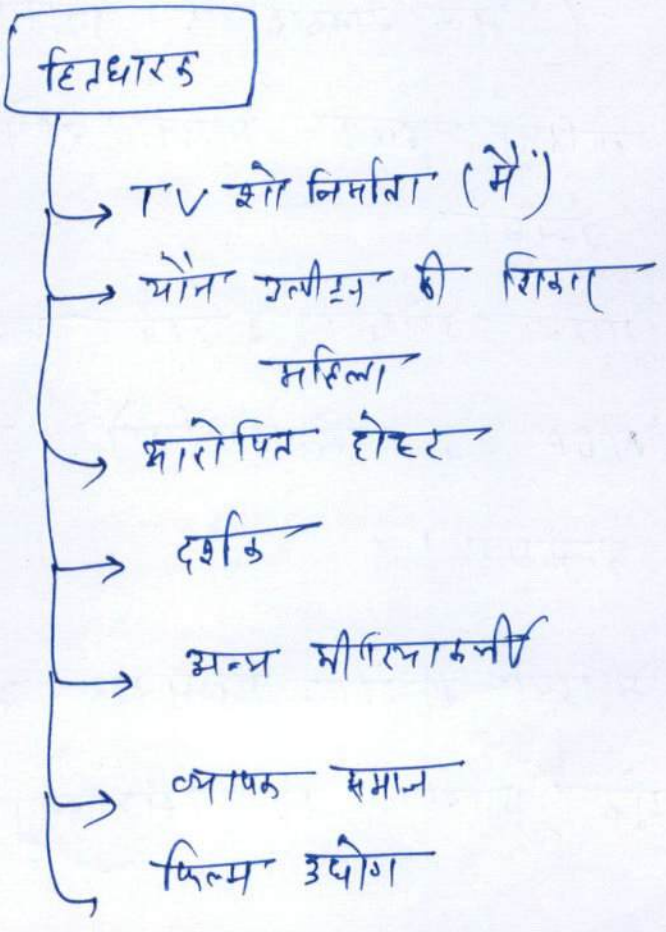

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

नैतिक मुद्दे

(1) फिल्म उद्योग में महिला का यौन शोषण।

(2) मीडिया द्वारा सनसनीखेज न्यूज दिखाने की प्रवृत्ति।

(3) फिल्म निर्माता द्वारा शोषण।

(4) शोषण की शिकार महिला का मीडिया के सत्त पर लोगों द्वारा अवधारणा बनाना (निजी जानकारी का खुलासा)

(5) मीडिया द्वारा मीडिया एथिक्स का उल्लंघन

(6) महिला शोषण के प्रति असंवेदनशीलता

(7) NBA के दिशानिर्देशों का उल्लंघन।

(8) मीडिया की गैर-जिम्मेदार भूमिका

(9) झूठे आरोप की संभावना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपलब्ध विकल्प

(1) आरोपित व्यक्ति को शो में हिस्सा बनाना

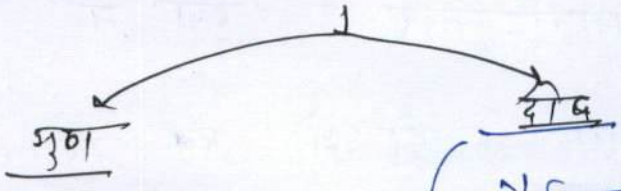

- निर्माता / शो के होस्ट को नाराज करना
- नैतिक जिम्मेदारी न निभाना /

(2) आरोपित व्यक्ति को न बुलाने की TV होस्ट से सिफारिश करना /

(3) शो को छोड़ देना /

(4) अपने आप को उस TV शो से पृथक् रखना एवं चलने देना /

(5) आरोप लगाने वाली महिला को भी मंच पर बुलाना /

c) मीडिया ट्रायल के लाभ

(1) ऐसे आरोपी जो सबूतों के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अभाव में छूट जाते हैं, वे मीडिया दबाव में पुलिस द्वारा पुनः जाँच।
e.g. * प्रियदर्शिनी मट्टू के केस में

(2) महिला शोषण के मुद्दे जो कभी नहीं उठ सके, मंच देना।

(3) समाज में महिला-उत्पीड़न के विरुद्ध नकारात्मक वातावरण एवं लोगों को जागरूक करना।

(4) महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना

(5) सामाजिक न्याय में मीडिया की सकारात्मक भूमिका

(6) गरीबों, दलितों, पिछड़ों, LGBTQ के मुद्दों को रखना एवं जनमत निर्माण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

नकारात्मक

① पीत पत्रकारिता

② व्यक्ति पर आरोप सच साबित नहीं हुए
(Innocent until proved guilty)

③ चरित्र-हनन को कनीज़ा केगन एवं अन्य मामलों में SC ने भी गलत माना

④ पीड़िता की जानकारी सार्वजनिक करना SC के आदेश के प्रतिकूल

⑤ मीडिया द्वारा सामाजिक जिम्मेदारी एवं नैतिक दायित्वों से भटकाव।

हमारे देश में यौन उत्पीड़न के मामले पहले ही <10% (NCRB) रिपोर्ट होते हैं एवं इसमें भी 10–15% ही दोषसिद्धि दर है। अतः सरकार, जनता एवं मीडिया के सहयोग से महिला मुद्दों को केंद्रीय स्थान दिया जाए।

12. आप हाल ही में भारत के एक महानगर में जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में नियुक्त हुए हैं। हाल ही में, एक ऐसी घटना हुई थी जिसमें दो गरीब लोगों की शहर के एक पॉश मोहल्ले में सीवर की जोखिमपूर्ण सफाई के दौरान मौत हो गई थी, जिसमें शहर के शीर्ष कॉर्पोरेट प्रमुख रहते थे। प्रारंभिक रिपोर्ट में पाया गया कि उक्त मोहल्ले के कुछ निवासियों ने स्थानीय शहर प्रशासन की जानकारी के बिना सीवर की सफाई के लिए निजी कर्मचारियों को नियुक्त किया था।

संबंधित निवासियों के साथ-साथ दोनों मृत लोगों को काम पर नियोजित करने वाले निजी ठेकेदार के खिलाफ उनकी लापरवाही के कारण हुई मौत का मामला दर्ज कर लिया गया है। यह शिकायत उस मोहल्ले के निवासियों के लिए एक चौंकाने वाली घटना थी, जिनमें से अधिकांश ने पहले कभी कानूनी कार्यवाई का सामना नहीं किया था।

जांच के दौरान मोहल्ले के लोगों ने शिकायत की कि स्थानीय प्रशासन लंबे समय से सीवरों की सफाई नहीं करा रहा है, जिसके कारण उन्हें निजी कर्मचारियों को काम पर रखना पड़ा। आपको यह भी पता चला है कि नगर प्रशासन में मेंटेनेंस कार्यों को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है, जिसका आज तक कोई समाधान नहीं हुआ है। समग्र रूप से नगर प्रशासन भी आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण और सीवेज सफाई से संबंधित कार्य करने के लिए सुरक्षात्मक गियर प्रदान करने के लिए धन की कमी का सामना कर रहा है।

दूसरी तरफ, मृतक के परिजनों ने मुआवजे के लिए सरकार पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। साथ ही, मीडिया ने भी इस घटना के लिए नगर प्रशासन की उदासीनता को जिम्मेदार मानते हुए हंगामा किया हुआ है और मोहल्ले के हाई प्रोफाइल निवासियों के खिलाफ दर्ज शिकायतों को वापस लेने के लिए दबाव बना हुआ है।

उपर्युक्त स्थिति के आलोक में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) संबंधित मुद्दों के साथ प्रकरण में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिए।

(b) दिए गए प्रकरण में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। आप इनमें से कौन-सा विकल्प चुनेंगे और क्यों?

(c) भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आप कौन-से दीर्घकालीन उपाय करेंगे? (उत्तर 250 शब्दों में दें)

You have recently joined as the Chief Executive Officer of the Water Supply and Sewerage Board in a metropolitan city of India. Recently, there was an incident where two poor people died while undertaking hazardous cleaning of sewers in a posh neighbourhood, housing top corporate honchos of the city. The preliminary report found that a few residents in the said neighbourhood employed private workers to clean the sewers without the knowledge of the local city administration.

A complaint for causing death by negligence has been registered against the concerned residents as well as the private contractor through whom these poor people were employed to carry out the task. The complaint has come as a shock to the residents of the neighbourhood, most of whom never had a brush with the law before.

During the investigation, the residents of the neighbourhood complained that the local administration has not been cleaning sewers for a long time, forcing them to hire private workers. You also come to know that there has been a confusion over the maintenance works in the city administration,

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

with no resolution till date. The city administration, as a whole, has also been facing a shortage of funds to build the requisite infrastructure and provide protective gears to carry out the sewage cleaning work.

In the meantime, the family members of the deceased have started pressurising the government for compensation and there has also been a media blitzkrieg blaming the apathy of the city administration for the incident and pressure to withdraw the complaints registered against the high profile residents of the neighbourhood.

In light of the above situation, answer the following questions:

(a) Identify the stakeholders involved in the case along with the associated issues.
(b) Evaluate the options that are available to you in the given case. Which of these options will you choose and why?
(c) What will be the long-term measures you will take to prevent such an incident from occurring in the future?(Answer in 250 words) 20

प्रस्तुत केस स्टडी सिविर सफाई के दौरान असावधान कार्यस्थितियों एवं उपकरणों के अभाव में सफाई कर्मी की मौत से संबंधित है। दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों में जहाँ सरकार ने मानव द्वारा सिविर टैंक सफाई को मशीन द्वारा प्रतिस्थापित कर दिया गया है, ऐसी घटनाएँ प्रायः देखने को मिलती रहती है।

a) हितधारक

① मृत सफाईकर्मियों के परिजन
→ संबंधियों की जिंदगी चली गई

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ आत्म अनुरक्षा

② मोहल्ला निवासी

↳ उचित उपकरण एवं कार्य स्थिति की अस्वास्थ्यकर दशाओं के संबंध में असहिष्णुता से 52 सफाईकर्मियों की मौत।

③ निजी ठेकेदार

↳ पर्याप्त उपकरणों का अभाव
→ कार्यस्थल की गंभीरता का अनुमान नहीं
→ असंवेदनशील रवैया
→ मौत या मुकदमा

④ म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन

↳ समय पर सिविर सफाई का कार्य सम्पन्न करना
→ गैर-जिम्मेदारी से अव्यवस्था

⑤ सरकार ↳ सिविर-सफाई के पुख्ता इंतजाम

(6) DM के रूप में मैं

↳ मामले की जाँच कर न्याय सुनिश्चित करना।

b) उपलब्ध विकल्प

(1) ठेकेदार एवं निवासियों पर हत्या का मुकदमा

(+ve)

↳ अनदेखी / लापरवाही के संबंध में मृतक के परिवार को न्याय

↳ भावी के लिए ऐसी घटनाएँ → उदाहरण

↳ कानून का शासन

(-ve)

↳ मूल समस्या नज़रअंदाज

↳ सरकार एवं Mun. Corporation पर दबाव नहीं

↳ इससे पूर्ण न्याय नहीं

(2) निजी ठेकेदार को पकड़ना एवं मुकदमा निवासी को छोड़ना

• सरकारी कानूनों की लापरवाही

• मूल समस्या को अनदेखा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) किसी की सजा देने की बजाय भागों के लिए नियमन।

(4) मृतक के परिवार को मुआवजा दिलवाना एवं crowd funding.

मेरी कार्रवाई

(1) सर्वप्रथम निजी ठेकेदार की जिम्मेदारी तय करते हुए उस पर कानूनी कार्रवाई करना।

(2) सीवर सफाई हेतु मशीनों की अनिवार्यता

(3) ऐसे किसी मामले को रोकने हेतु लोगों को शामिल करना।

(4) पीड़ित परिवार को मुआवजा

c) दीर्घकालीन उपाय

- शिकायत निवारण पोर्टल
- Helpline नंबर
- एप्प द्वारा शिकायत

- ऐसे सिवर सफाईकर्मियों हेतु उचित उपकरणों की अनिवार्यता।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ NGOs एवं VOs द्वारा ऐसे लोगों का पुनर्वास एवं रोजगार के वैकल्पिक अवसर उपलब्ध कराना।

चूँकि कहा जाता है कि सारे दलित सफाईकर्मी नहीं हैं परंतु सभी सफाईकर्मी दलित हैं, अतः इस वर्ग के उत्थान हेतु शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक प्रावधान।

सिविर सफाई के लिए तकनीक का प्रयोग होना चाहिए।